[हमारे अतीत भाग -3 कक्षा -8] 10 स्वतंत्रता के बाद

1 नवस्वाधीन भारत के सामने कौन सी तीन समस्याएँ थीं?

उत्तर : आजाद भारत की बड़ी चुर्नातियाँ :

1. विभाजन की वजह से 80 लाख शरणार्थी पाकिस्तान से भारत आ गए थे। इन लोगों के लिए रहने तथा रोजगार का इंतजाम करना था।

2. करीब 500 रियासतें राजाओं या नवाबों के शासन में चल रहीं थी। इन सभी को नए राष्ट्र में शामिल होने के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल काम था।

3. लोगों को एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था प्रदान करना जिसके द्वारा उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके।

2. योजना आयोग की क्या भूमिका थी?

उत्तर : योजना आयोग की भूमिका :

1. अर्थिक विकास के लिए नीतियाँ बनाना और उनको लागू करना ।

2. कौन से उद्योग सरकार द्वारा लगाए जाएँगे। यह निश्चित करना योजना आयोग का काम था ।

3. विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच किस तरह का संतुलन बनाया जाएगा। इसको परिभाषित करना योजना आयोग का काम था।

3. रिक्त स्थान भरें :

(क) केंद्रीय सूची में ..... , ... और ..... विषय रखे गए थे।

(ख) समवर्ती सूची में ..... और ..... विषय रखे गए थे।

(ग) वह आर्थिक योजना जिसमें सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों को विकास में भूमिका दी गई थी, उसे ..... मॉडल कहा जाता था।

(घ) ..... की मृत्यु से इतना ज़बरदस्त आंदोलन पैदा हुआ कि सरकार को आंध्र भाषी राज्य के गठन की माँग को मानना पड़ा।

उत्तर :(क) कराधान, रक्षा, विदेशी मामले। (ख) वन, कृषि। (ग) मिश्रित अर्थव्यवस्था। (घ) पोट्टी श्रीरामुलु।

4.सही या गलत बताएँ :

(क) आज़ादी के समय ज्यादातर भारतीय गाँवों में रहते थे । उत्तर:सही

(ख) संविधान सभा कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से मिलकर बनी थी। उत्तर:गलत

(ग) पहले राष्ट्रीय चुनावों में केवल पुरुषों को ही वोट डालने का अधिकार दिया गया था। उत्तर:गलत

(घ) दूसरी पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया था। उत्तर:सही

GUPS 7DPN

5. "राजनीति में हमारे पास समानता होगी और सामाजिक व आर्थिक जीवन में हम असमानता की राह पर चलेंगे" कहने के पीछे डॉ. अंबेडकर का क्या आशय था?

उत्तर : अंबेडकर का आशय :

1. राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र भी जरूरी है। यानी जीवन में समानता भी जरूरी है।

2. लोगों को वोट डालने का अधिकार दे देने से अमीर-गरीब या ऊँची और नीची जातियों का अंतर अपने आप खत्म नहीं हो जाएगा।

3. राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और मूल्य के सिद्धांत का पालन करेंगे। इसके विपरीत अपनी सामाजिक एवं आर्थिक संरचना के फलस्परूप हम सामाजिक और आर्थिक जीवन में एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत का निषेध करते रहेंगे।

6. स्वतंत्रता के बाद देश को भाषा के आधार पर राज्यों में बाँटने के प्रति हिचकिचाहट क्यों थी?

उत्तर : हिचकिचाहट के कारण :

1. भारत धर्म के आधार बँट चुका था। देश विभाजन के कारण हिंदुओं और मुसलमानों के बीच हुआ भाषण दंगों में 10 लाख ज्यादा लोग मारे गए थे ऐसे में चिंता स्वाभाविक थी ।

2. भाषा के आधार पर हमारा देश दूसरा बँटवारा नहीं झेल सकथा था इसलिए चिंता स्वाभाविक थी।

3. प्रधानमंत्री जवारहलाल नेहरू और उप प्रधानमंत्री वल्लभ भाई पटेल दोनों ही देश के भाषा के आधार पर दूसरे विभाजन के डर से भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की नीति के विरोधी थी ।

7. एक कारण बताइए कि आजादी के बाद भी भारत में अंग्रेजी क्यों जारी रही।

उत्तर : भारत में अंग्रेजी जारी रहने का कारण :

1. बहुत सारे लोगों का मानना था कि अंग्रेजों के साथ अंग्रेजी भाषा को भी विदा कर दिया जाना चाहिए और अंग्रेजी का स्थान हिंदी को दिया जाना चाहिए।

2. परंतु जो लोग हिंदी नहीं बोलते थे उनकी राय थी कि अगन उन पर हिंदी थोपी गई तो दक्षिण भारतीय गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र भारत से अलग हो जाएँगे।

3. देश को विवाद से बचाने के लिए संविधान निर्माताओं ने हिंदी को 'राजभाषा' का दर्जा, जबकि अदालतों सेवाओं, विभिन्न राज्यों के बीच संचार आदि के लिए अंग्रेजी भाषा के इस्तेमाल का फैसला लिया।

8. आज़ादी के बाद प्रारंभिक दशकों में भारत के आर्थिक विकास की कल्पना किस तरह की गई थी?

उत्तर : आर्थिक विकास की कल्पना :

1. भारत और भारतीयों को गरीबी से मुक्त करना ।

2. आधुनिक तकनीकी एवं औद्योगिक आधार निर्मित करना ।

3. विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के विकास हेतु योजना आयोग की स्थापना की गई।

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here

GUPS 7DPN